सहायक संधि

लॉर्ड रिचर्ड वेलेजली (1798-1805) → बंगाल का शेर

1. मुख्य उद्देश्य → भारत में फ्रांसीसी प्रभाव को समाप्त करना और कंपनी को भारत की सर्वोच्च शक्ति बनाना

2. सहायक संधि प्रणाली

- सर्वप्रथम प्रयोग → फ्रांसीसी गवर्नर 'डूप्ले'
- सितंबर 1798 - वेलेस्ली द्वारा विधिवत रूप से
- संबंधित राज्य की आन्तरिक व बाह्य सुरक्षा कंपनी की जिम्मेदारी बन गयी।
- इस जिम्मेदारी के निर्वहन हेतु उस राज्य में ब्रिटिश सेना रखी गयी। जिसका व्यय राज्य वहन करेगा।
- संबंधित राज्य के विदेशी मामले कंपनी के अधीन: दूसरे देश से बिना अनुमति के युद्ध / संधि नहीं
- परामर्श हेतु ब्रिटिश रेजिडेंट दरबार में नियुक्त होगा, जो कि आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा
- बिना अंग्रेजों की अनुमति के किसी अन्य यूरोपीय को सेवा में नहीं रख सकते थे

प्रमुख हस्ताक्षर	
1. हैदराबाद	सितंबर 1798 (निज़ाम अली खान, आसफ़ जाह II)
2. मैसूर	1799 (वोडेयार शासक)
3. तंजौर	1799 (राजा शरभोजी भोसले द्वितीय)
4. अवध	1801 (सआदत अली खान द्वितीय)
5. मराठा	1802 (सआदत अली खान द्वितीय)
6. भोंसले	1803 (राघोजी भोंसले द्वितीय – बरार)
7. सिंधिया	1804 (दौलत राव सिंधिया)
8. होल्कर	1818 (मल्हार राव होल्कर द्वितीय)

- राजपूत राज्य: भरतपुर, जोधपुर, जयपुर, अलवर, माचेरी, बूंदी
  - मैकिन्टास:- " सुल्तान शैली का अंग्रेज"
  - सिडनी ओवेन:- " राज्य को साम्राज्य बनाया"

3. प्रमुख युद्ध:-

- चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध: 1799 → टीपू सुल्तान बहादुरी से लड़ते हुए मारा गया
- द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध: 1803-1805 → अंग्रेजों ने आर्थर वेलेजली (लॉर्ड वेलेजली का भाई) और लॉर्ड लेक के नेतृत्व में मराठों को पराजित किया
- मुगल सम्राट पर नियंत्रण: 1803 → लॉर्ड लेक के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया और नाममात्र के मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय को कंपनी का पेंशनभोगी बना दिया

4. अन्य महत्वपूर्ण कार्य और सुधार:-

- फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना (1800): कलकत्ता में नवनियुक्त असैनिक अधिकारियों का प्रशिक्षण लिए
  - कोर्ट ऑफ़ डायरेक्टर्स ने इसे बंद करवा दिया और प्रशिक्षण के लिए इंग्लैंड में हेलीबरी कॉलेज खोला गया
- प्रेस नियंत्रण अधिनियम: 1799
  - सूरत (1800), तंजौर (1799) और कर्नाटक (1801) का मद्रास प्रेसीडेंसी में विलय
- 1801 में अवध के नवाब से आधा राज्य (रुहेलखंड और निचला दोआब) छीन लिया गया।
- 1800 में जॉन मैल्कम के नेतृत्व में एक कूटनीतिक मिशन ईरान के शाह के दरबार में भेजा

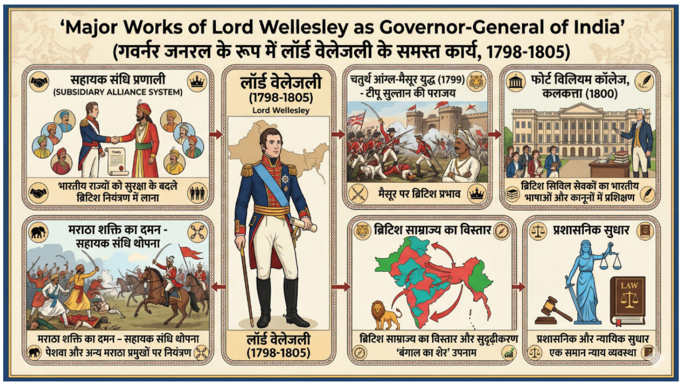

सर जार्ज बार्लो: 1805-1807)

1. **1806** → मद्रास प्रेसीडेंसी के वेल्लोर नामक स्थान पर भारतीय सैनिकों ने अंग्रेजों के खिलाफ भयानक विद्रोह
2. उस समय मद्रास का गवर्नर लॉर्ड विलियम बेंटिक था
3. **1805** → होलकर के साथ राजपुरघाट की संधि

लॉर्ड मिन्टो प्रथम: 1807-1813

1. 25 अप्रैल 1809 → अमृतसर की संधि (चार्ल्स मेटकॉफ + महाराजा रणजीत सिंह)
2. चार्टर एक्ट 1813
   - कंपनी का भारत के साथ व्यापार पर एकाधिकार समाप्त
   - शिक्षा के लिए बजट → प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये
   - ईसाई मिशनरियों को धर्म प्रचार करने की अनुमति
3. ईरान मिशन → सर जॉन मैल्कम
4. अफ़गानिस्तान मिशन → माउंटस्टुअर्ट एल्फिंस्टन

लॉर्ड हेस्टिंग्स: 1813-1823 → अर्ल ऑफ़ मोयरा

1. सर जॉन शोर और सर जार्ज बार्लो की 'अहस्तक्षेप की नीति' को पूरी तरह से त्याग दिया और आक्रामक युद्धों के माध्यम से 'ब्रिटिश सर्वोच्चता' स्थापित करने का निर्णय लिया।
2. आंग्ल-नेपाल युद्ध: 1814-1816 → संगोली की संधि: 1816
   - नेपाल के अमर सिंह थापा को आत्मसमर्पण करना पड़ा
   - नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक ब्रिटिश रेजीडेंट रखना तय हुआ
   - गोरखाओं को ब्रिटिश सेना में भर्ती करने की शुरुआत हुई
   - अंग्रेजों को कुमाऊं, गढ़वाल, शिमला, रानीखेत, और नैनीताल प्राप्त हुए
3. पिंडारियों का दमन: 1817-1818 → मराठा सेनाओं के साथ 'अनियमित सैनिकों' के रूप में काम करते थे और युद्ध के बाद लूटपाट का हिस्सा लेते थे
   - प्रमुख नेता → चीतू, वासिल मुहम्मद और करीम खान
   - तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध: 1817-1818 → पेशवा पद की समाप्ति
4. रैयतवाड़ी व्यवस्था - 1820 + महालवाड़ी व्यवस्था - 1822
5. बंगाल काश्तकारी अधिनियम - 1822 → जमींदारों के शोषण से काश्तकारों (किसानों) के अधिकारों की रक्षा के लिए
6. राजा राममोहन राय और डेविड हेयर → कलकत्ता में 'हिंदू कॉलेज' (1817)
7. भारत का पहला 'सर्वेयर जनरल' → कॉलिन मैकेंजी
   - विजयनगर साम्राज्य (हम्पी) के खंडहरों को पहली बार प्रकाश में

- 1986 में UNESCO ने विजयनगर स्थल हम्पी को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया

8. प्रेस पर सेंसरशिप में ढील
   - 1818 में भारत का पहला वर्नाक्यूलर (बंगाली) समाचार पत्र → 'समाचार दर्पण'

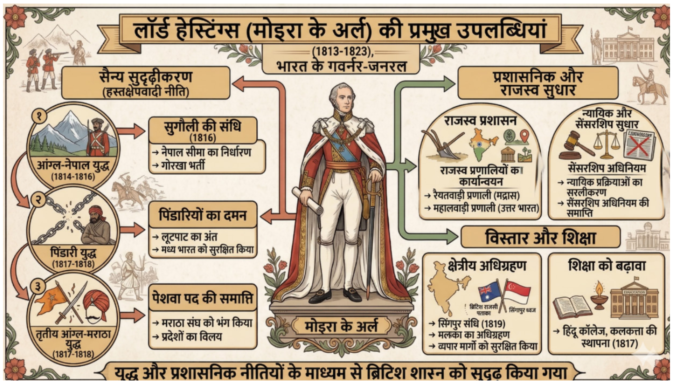

लॉर्ड एमहर्स्ट: 1823-1828

1. ब्रिटिश साम्राज्य के पूर्वी विस्तार
   - प्रथम आंग्ल-बर्मी युद्ध (1824–1826)
   - यांडाबू की संधि - 1826
   - अंग्रेजों को असम, अराकान और तेनासरीम के तटीय प्रांत प्राप्त हुए
   - राजधानी (आवा) में एक ब्रिटिश रेजीडेंट रखना स्वीकार किया
   - बर्मा ने युद्ध हर्जाने के रूप में एक करोड़ रुपये दिए
2. बैरकपुर का सैन्य विद्रोह - 1824
   - 47वीं नेटिव इन्फैंट्री
3. भरतपुर (राजस्थान - 1826) → लॉर्ड कॉम्बरमेयर
4. कलकत्ता में संस्कृत कॉलेज की स्थापना